त्वम् आपणं गच्छ

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» माँ का बाज़ार भेजना – अम्बा-राकेश संवाद

» वस्तु-मात्रा वाचक शब्द – किलोमितः, अर्धकिलोमितः, पादकिलोमितः

» दुकानदार से मूल्य पूछने का वाक्य-ढाँचा

» खरीदी गई वस्तुओं के नाम और मात्रा

» बाज़ार-यात्रा से सीख – सावधानी और शिष्टाचार

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. अम्बा और राकेश के बीच के पहले तीन संवाद-वाक्यों का शब्दार्थ करके क्रम से लिखो।

› अम्बा: 'राकेश! कुत्र असि? अत्र आगच्छ' = राकेश, कहाँ हो? यहाँ आओ

› राकेश: 'आम् अम्ब! कथय किं कार्यं करवाणि?' = हाँ माँ, बताओ क्या काम करूँ?

› अम्बा: 'त्वम् आपणं गच्छ। वस्तूनि आनय' = तुम बाज़ार जाओ, सामान ले आओ

उत्तर – क्रम से अर्थ: माँ बुलाती है राकेश काम पूछता है माँ बाज़ार जाकर सामान लाने को कहती है।

उदाहरण 2. पाठ में बताई गई पाँच वस्तुओं (मुद्गः, शर्करा, गुडः, द्विदलम्, सर्षपः) की मात्राओं को शब्दों में जोड़ियों में लिखो।

› मुद्गः (मूँग) – अर्धकिलोमितः (आधा किलो)

› शर्करा (चीनी), गुडः (गुड़), द्विदलम् (दाल) – प्रत्येक एककिलोमिता/मितः/मितम् (एक किलो)

› सर्षपः (सरसों) – पादकिलोमितः (पाव किलो)

उत्तर – मुद्गः-आधा किलो, शर्करा/गुडः/द्विदलम्-एक-एक किलो, सर्षपः-पाव किलो – यही पाठ की सूची है।

उदाहरण 3. राकेश और दुकानदार के बीच मूल्य पूछने-बताने वाले संवाद को शब्दार्थ सहित क्रम से लिखो।

› राकेश: 'अस्तु, कति रूपयकाणि यच्छानि?' = ठीक है, कितने रुपये देने हैं?

› आपणिकः (दुकानदार): 'चत्वारि शतानि षष्टिं (४६०) च रूपयकाणि ददातु' = चार सौ साठ रुपये दीजिए

› यह दिखाता है प्रश्न में 'यच्छानि' और उत्तर में 'ददातु' का प्रयोग हुआ

उत्तर – राकेश मूल्य पूछता है 'कति रूपयकाणि यच्छानि?' और दुकानदार उत्तर देता है 'चत्वारि शतानि षष्टिं रूपयकाणि ददातु' (460 रुपये दीजिए)।

उदाहरण 4. राकेश की पूरी खरीदारी सूची (किराने का सामान + अतिरिक्त वस्तुएँ) को दो भागों में बाँटकर लिखो।

› पहला भाग (किराना): मुद्गः, शर्करा, गुडः, द्विदलम्, सर्षपः, घृतम्

› दूसरा भाग (अतिरिक्त वस्तुएँ): नीलवर्णा लेखनी (नीली कलम), चाकलेहम् (चॉकलेट)

› दोनों भागों को मिलाकर राकेश की पूरी खरीदारी बनती है

उत्तर – किराना: मूँग, चीनी, गुड़, दाल, सरसों, घी; अतिरिक्त: नीली कलम और चॉकलेट – यही राकेश की पूरी सूची है।

उदाहरण 5. इस पाठ से मिलने वाली तीन सीखों (सड़क-सुरक्षा, शिष्टाचार, सेहत) को पाठ के मूल वाक्यों के साथ जोड़कर लिखो।

› सड़क-सुरक्षा: 'मार्गे यानानां गतिं पश्यतु। सावधानं पारं गच्छतु' – वाहन देखकर सावधानी से पार करना

› शिष्टाचार: 'धन्यवादः' कहना और दुकानदार का 'पुनरपि आगच्छतु' कहना – विनम्र व्यवहार

› सेहत: 'अधिकं चाकलेह-खादनं स्वास्थ्याय हानिकरं भवति' – अधिक मीठा खाना हानिकारक होना

उत्तर – तीन सीखें: सड़क पार करते समय सावधानी, दुकान पर विनम्रता (धन्यवाद), और खान-पान में संयम।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• संवाद-आधारित पाठों में हमेशा 'कौन बोल रहा है' साफ़ लिखो (अम्बा/राकेशः) – बिना वक्ता बताए उत्तर अधूरा माना जाता है।

• मात्रा-वाचक शब्दों में लिंग के अनुसार अंत (ः/आ/म्) बदलता है – वस्तु का लिंग पहचानकर सही रूप चुनो, यह अक्सर परीक्षा में जाँचा जाता है।

• खरीदारी-संवाद लिखने के सवाल में हमेशा पहले वस्तु माँगना, फिर मूल्य पूछना, फिर भुगतान करना – इस क्रम को बनाए रखो।

• वस्तु-सूची लिखने वाले सवालों में पाठ के क्रम में ही वस्तुओं के नाम लिखो – क्रम बदलने से उत्तर अस्त-व्यस्त लग सकता है, हालाँकि अंक नहीं कटते, पर स्पष्टता बनी रहती है।

• 'पाठ से मिलने वाली सीख' जैसे सवाल में सिर्फ भाषा-ज्ञान नहीं, पाठ में छुपे व्यावहारिक जीवन-कौशल (सुरक्षा, शिष्टाचार, सेहत) का भी ज़िक्र करो – इससे उत्तर व्यापक और उच्च-गुणवत्ता का बनता है।

एक नज़र में रिवीज़न

› अम्बा-राकेश संवाद: माँ राकेश को सूची और थैला देकर बाज़ार से सामान लाने भेजती है।

› मात्रा-शब्द: एककिलोमितः (1 किलो), अर्धकिलोमितः (आधा किलो), पादकिलोमितः (पाव किलो)।

› मूल्य पूछने का वाक्य: 'कति रूपयकाणि यच्छानि?' – उत्तर में संख्या + 'रूपयकाणि ददातु'।

› राकेश की सूची: मुद्गः, शर्करा, गुडः, द्विदलम्, सर्षपः, घृतम् + नीली लेखनी + चाकलेहम्।

› पाठ की तीन सीखें: सड़क पार करते समय सावधानी, दुकान पर विनम्रता, अधिक मीठा न खाना।